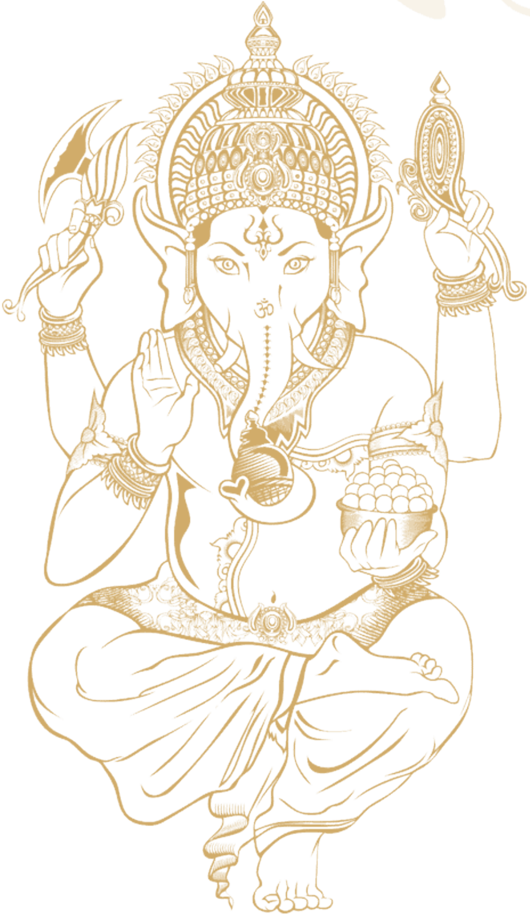

Mr.

16 Apr 1998

03:05 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121791703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/04/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:05:00 घंटे**
इष्ट	23:51:20 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:08:32 घंटे
वेलान्तर	00:00:07 घंटे
साम्पातिक काल	04:45:52 घंटे
सूर्योदय	05:32:27 घंटे
सूर्यास्त	18:20:43 घंटे
दिनमान	12:48:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:22:00 मेष
लग्न के अंश	19:37:37 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:37:37	320:43:23	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मेष	02:22:00	00:58:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			वृश्चि	21:51:26	12:22:19	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	नीच राशि
मंगल		अ	मेष	08:40:14	00:44:40	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध	व	अ	मीन	16:37:05	00:20:07	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	22:44:23	00:12:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			कुंभ	16:56:46	01:04:47	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	मीन	29:53:02	00:07:36	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
राहु	व		सिंह	15:32:41	00:07:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	15:32:41	00:07:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:30:48	00:01:31	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:14:32	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:52:49	00:01:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	19:04:09	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:52

लग्न-चलित

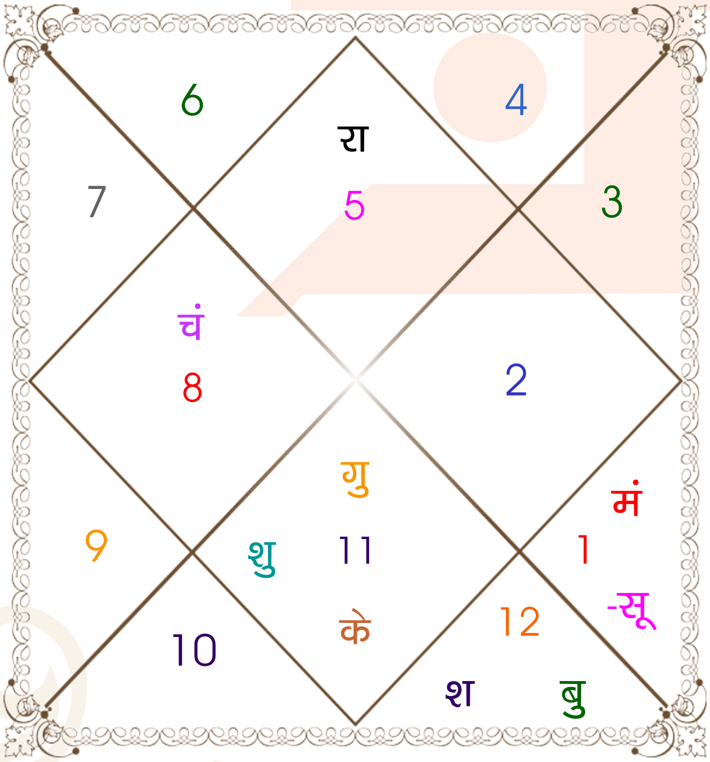

चन्द्र कुंडली

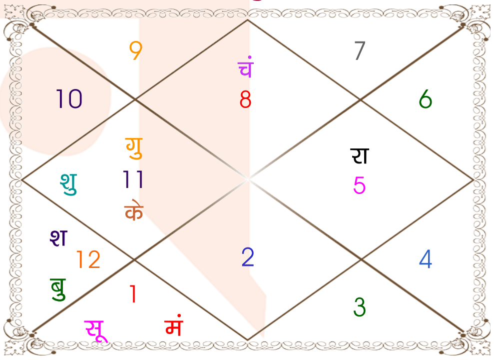

नवमांश कुंडली

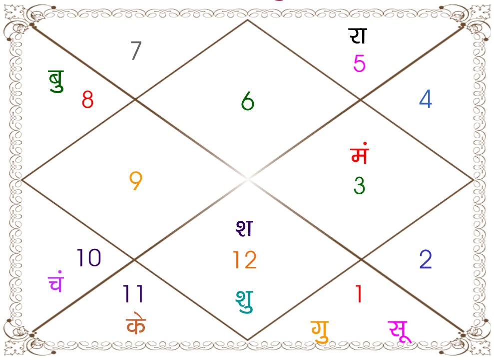

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 4 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
16/04/1998	02/09/2008	03/09/2015	03/09/2035	02/09/2041
02/09/2008	03/09/2015	03/09/2035	02/09/2041	03/09/2051
00/00/0000	केतु 29/01/2009	शुक्र 02/01/2019	सूर्य 22/12/2035	चंद्र 04/07/2042
00/00/0000	शुक्र 31/03/2010	सूर्य 03/01/2020	चंद्र 21/06/2036	मंगल 02/02/2043
16/04/1998	सूर्य 06/08/2010	चंद्र 02/09/2021	मंगल 27/10/2036	राहु 03/08/2044
सूर्य 03/10/1998	चंद्र 07/03/2011	मंगल 03/11/2022	राहु 21/09/2037	गुरु 03/12/2045
चंद्र 04/03/2000	मंगल 04/08/2011	राहु 02/11/2025	गुरु 10/07/2038	शनि 04/07/2047
मंगल 01/03/2001	राहु 21/08/2012	गुरु 03/07/2028	शनि 22/06/2039	बुध 03/12/2048
राहु 18/09/2003	गुरु 28/07/2013	शनि 03/09/2031	बुध 27/04/2040	केतु 04/07/2049
गुरु 24/12/2005	शनि 06/09/2014	बुध 04/07/2034	केतु 02/09/2040	शुक्र 04/03/2051
शनि 02/09/2008	बुध 03/09/2015	केतु 03/09/2035	शुक्र 02/09/2041	सूर्य 03/09/2051

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
03/09/2051	03/09/2058	02/09/2076	02/09/2092	04/09/2111
03/09/2058	02/09/2076	02/09/2092	04/09/2111	00/00/0000
मंगल 30/01/2052	राहु 16/05/2061	गुरु 21/10/2078	शनि 06/09/2095	बुध 31/01/2114
राहु 17/02/2053	गुरु 09/10/2063	शनि 04/05/2081	बुध 16/05/2098	केतु 28/01/2115
गुरु 24/01/2054	शनि 15/08/2066	बुध 10/08/2083	केतु 25/06/2099	शुक्र 28/11/2117
शनि 04/03/2055	बुध 04/03/2069	केतु 16/07/2084	शुक्र 26/08/2102	सूर्य 17/04/2118
बुध 01/03/2056	केतु 22/03/2070	शुक्र 17/03/2087	सूर्य 08/08/2103	00/00/0000
केतु 28/07/2056	शुक्र 22/03/2073	सूर्य 03/01/2088	चंद्र 08/03/2105	00/00/0000
शुक्र 27/09/2057	सूर्य 14/02/2074	चंद्र 04/05/2089	मंगल 17/04/2106	00/00/0000
सूर्य 02/02/2058	चंद्र 16/08/2075	मंगल 10/04/2090	राहु 21/02/2109	00/00/0000
चंद्र 03/09/2058	मंगल 02/09/2076	राहु 02/09/2092	गुरु 04/09/2111	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।